भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3898 का उत्तर

राजगीर रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय स्मार्ट रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करना

3898. श्री कौशलेन्द्र कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशनों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार का नालंदा के राजगीर रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय स्मार्ट रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या राजगीर एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है और यहाँ वर्ष भर दुनिया भर से पर्यटक आते हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और राजगीर रेलवे स्टेशन को स्मार्ट रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करने की मंजूरी कब तक मिलने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाऊंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केतपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडॉल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के तहत 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से राजगीर स्टेशन सहित 98 स्टेशन बिहार राज्य में स्थित हैं। बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बड़हिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौराम मधेपुरा, डेहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करागोला रोड, कटिहार, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीसराय, लखीमिनिया, मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर,

		रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं., सुल्तानगंज, सुपौल, तरेगना, ठाकुरगंज, थावे

बिहार राज्य में स्थित राजगीर स्टेशन सहित 86 अमृत स्टेशनों के लिए विकास कार्यों हेतु निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और निर्माण-कार्य शुरू कर दिए गए हैं। राजगीर रेलवे स्टेशन पर, स्टेशन पहुंच मार्ग का कार्य पूरा हो चुका है और नए स्टेशन भवन के निर्माण, पार्किंग क्षेत्र और परिचलन क्षेत्र के सुधार के साथ-साथ जल निकासी का निर्माण-कार्य शुरू कर दिया गया है। अन्य परियोजनाओं का निष्पादन कार्य तेजी से हो रहा है। उदाहरण के लिए-

- गया स्टेशन पर, पश्चिगमी छोर पर प्रस्थान और आगमन बिल्डिंगों, पूर्वी छोर पर प्रस्थान बिल्डिंग, पूर्वी छोर पर तीर्थयात्री बिल्डिंरग के स्ट्रक्चरल कार्य और मल्टी-लेवल टू-व्हीलर पार्किंग के स्ट्रक्चरल कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं और कॉनकोर्स, नए प्लेटफार्म शेल्टरों, आदि का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

- मुज्जफरपुर स्टेशन पर, नई संयुक्त टर्मिनल बिल्डिंग पर संरचनात्मक कार्य, दक्षिणी छोर पर आगमन ब्लॉक बिल्डिंग, बुकिंग कार्यालय, कार्यालय बिल्डिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है और नए पैदल पार पुल, प्रस्थान ब्लॉक, ऐलिवेटेड रोड आदि के निर्माण कार्यों को शुरू कर दिया गया है।

• सहरसा स्टेशन पर, नए प्रतीक्षालय और प्रसाधन ब्लॉक, पार्किंग क्षेत्र और प्रवेशद्वार में सुधार सहित नई स्टेशन बिल्डिंग का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और नए 12 मी. चौड़े पैदल पार पुल, चाहरदिवारी, नए प्लेटफार्म शेल्टर, बिल्डिंगों के बिजली संबंधी कार्य, आदि कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• सलौना स्टेशन पर, नए स्टेशन बिल्डिंग का स्ट्रक्चरल कार्य, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, सड़क संबंधी कार्य और प्लेटफार्म सं. 02 की सतह को बढ़ाने के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं और नए 12 मी. चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण कार्य, प्लेटफार्म सं. 01 की सतह को बढ़ाने का कार्य, आदि को शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें रेलगाड़ियों और यात्रियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। यह विकास कार्य ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों जैसे अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होता है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन का वित्तपोषण सामान्यत: योजना शीर्ष-53 ग्राहक सुविधाएं के अंतर्गत किया जाता है। आवंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार या राज्य-वार। बिहार राज्य को चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा कवर

किया जाता है। पिछले दो वित्त वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान, इन जोनों के लिए 4,288 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। पिछले दो वित्त वर्षों और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25 (अक्टूबर, 2024 तक) के दौरान, इन जोनों पर 2,948 करोड़ रुपए का व्यवय किया गया है।

*****